भारत सरकार

अंतरिक्ष विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या : 2534

बुधवार, 04 दिसंबर, 2019 को उत्तर देने के लिए

प्रथम मानव मिशन

2534. श्रीमती संगीता कुमारी सिंह देवः
डॉ. सुकान्त मजूमदारः
श्री विनोद कुमार सोनकरः
श्री भोला सिंहः
श्री राजा अमरेश्वर नाईकः

क्या प्रधान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या इसरो ने दिसंबर, 2021 तक गगनयान के तहत प्रथम मानव मिशन प्रक्षेपित करने की योजना बनाई है और यदि हां , तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या इसरो ने अंतरिक्ष में गगनयान के पहले मानव मिशन हेतु भारतीय अंतरिक्ष यात्रियों की एक निश्चित संख्या को सूचीबद्ध किया है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या इसरो ने गगनयान मिशन के तहत कुछ अंतरिक्ष यात्रियों को रूस में प्रशिक्षण हेतु चयनित किया है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(घ) क्या इसरो ने मानव जीवन को अंतरिक्ष में और आगे तक धकेलने हेतु जीएसएलवी मार्क - III विकसित किया है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(ङ) सफल गगनयान मिशन के संदर्भ में प्रौद्योगिकीय उन्नयन हेतु इसरो द्वारा उठाए गए अन्य कदमों / की गई पहलों का ब्यौरा क्या है?

उत्तर

कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन मंत्रालय
तथा प्रधान मंत्री कार्यालय में राज्य मंत्री
(डॉ. जितेन्द्र सिंह) :

(क) जी हां, मानव अंतरिक्ष मिशन : गगनयान के लिए दिसंबर 2021 की योजना बनाई गई है। गगनयान कार्यक्रम को सरकार का अनुमोदन प्राप्त हो गया है। प्रमुख उप-प्रणालियों की डिजाइन और संरूपण को अंतिम रूप दे दिया गया है। परीक्षणों तथा उड़ान के लिए प्रणाली/ उप-प्रणालियों की प्राप्ति आरंभ हो चुकी है।

(ख) और (ग)

गगनयान मिशन के अंतर्गत रूस में प्रशिक्षण सहित गगनयान मिशन के लिए अंतरिक्ष यात्री के चयन और प्रशिक्षण की प्रक्रिया अच्छी प्रगति कर रही है।

(घ) जी हां, इसरो के अधिक भार ले जाने वाले प्रमोचक राकेट, जी एस एल वी मार्क III को गगनयान मिशन के लिए निर्धारित किया गया है। इसमें इच्छित वृत्ताकार कक्षा में कक्षीय मॉड्यूल के लिए आवश्यक नीतभार वहन की क्षमता है। जी एस एल वी मार्क III के मानव अनुकूलन की प्रक्रिया अच्छी प्रगति में है।

(ङ) इसरो के पास प्रमोचक राकेट, अंतरिक्षयान प्रबंधन, भू-अवसंरचना इत्यादि के संदर्भ में प्रौद्योगिकीय क्षेत्रों में व्यापक अनुभव विद्यमान है। इसरो ने अंतरिक्ष यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने हेतु वर्तमान प्रणालियों के मानव अनुकूल के लिए कदम उठाए हैं। मानव केंद्रित प्रणालियों, अंतरिक्ष यात्री प्रशिक्षण, अंतरिक्ष यात्री वापसी इत्यादि जैसे क्षेत्रों, जहां इसरो के पास कम अनुभव है, इसरो राष्ट्रीय ओर अंतरराष्ट्रीय एजेंसियों के साथ सहयोग की योजना बना रहा है। इस संबंध में रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डी आर डी ओ) की प्रयोगशालाओं, भारतीय वायु सेना और रूसी अंतरिक्ष एजेंसी के साथ समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए जा चुके हैं।

***